गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 025
दि. 25.05.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बिजली आपूर्ति में न आए कोई बाधा, भीषण गर्मी के बीच गांव से शहर तक के लिए सीएम योगी का बड़ा आदेश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गांव से शहर तक भीषण गर्मी को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति का निर्देश दिया है। बढ़ती मांग की आपूर्ति के लिए तमाम उपाय के निर्देश दिए गए हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत देने के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति का आदेश जारी किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि आम लोगों, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर लगातार मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें। सीएम योगी ने रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की।

सीएम योगी ने दिए निर्देश

सीएम योगी ने राज्य की विद्युत

उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने एवं गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली की मांग में बढ़ोत्तरी को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए। सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता और रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सीएम योगी को बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है।

अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की इसमें 9120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है।

इसके अलावा मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों से 3742 मेगावाट क्षमता राज्य को मिल रही है। सीएम को बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है।

ट्रांसमिशन नेटवर्क को करें मजबूत

सीएम योगी ने प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को न्यूनतम रखा जाए तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क की लगातार मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

राहुल गांधी की भविष्यवाणी पर रामदास आठवले का तंज, '2029 में भी नरेंद्र मोदी ही बनेंगे प्रधानमंत्री'

मुंबई, केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता अजय राय के खिलाफ दर्ज एफआईआर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाजपा सरकार को लेकर दिए गए बयान और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल करते रहते हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि वह केवल एक पार्टी के नेता नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहे जितनी आलोचना करे या अपमानजनक भाषा का प्रयोग करे, केंद्र सरकार विकास और प्रगति के एजेंडे पर लगातार काम करती रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और सरकार का फोकस जनता के उत्थान और विकास पर कायम रहेगा। आठवले ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी सोच और नजरिए से भविष्य की कल्पना कर रहे हैं, लेकिन उनकी भविष्यवाणियां अब तक सही साबित नहीं हुई हैं। वर्ष 2019 में कांग्रेस को केवल 44 सीटें मिली थीं, तब भी राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को सत्ता से हटाने की बात कही थी, लेकिन भाजपा ने पीएम मोदी के नेतृत्व में 303 सीटें जीतकर मजबूत सरकार बनाई थी।

पीएम मोदी ने चीन में हुए कोयला खदान हादसे में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया

पीएम मोदी ने चीन में हुए कोयला खदान हादसे में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को चीन के शांक्सी प्रांत में एक खदान दुर्घटना के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। भारतीय लोगों की तरफ से पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

पीएम मोदी ने कहा कि शोक संतप्त परिवारों को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति मिले, साथ ही उन्होंने शेष सभी लापता लोगों के शीघ्र और सुरक्षित बाहर निकलने की भी कामना की।

प्रधानमंत्री मोदी सोशल मीडिया हैंडल ने एक्स पर पोस्ट किया, 'चीन के शांक्सी प्रांत में एक खदान हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूँ। भारत के लोगों की तरफ से, राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। इस दुखद घड़ी में शोक संतप्त परिवारों को शक्ति मिले। सभी लापता लोगों की शीघ्र और सुरक्षित बरामदगी के लिए प्रार्थना करता हूं।'

प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान, मध्य चीनी प्रांत शानक्सी में स्थित लियुशेन्यु कोयला खदान में हुए विनाशकारी गैस विस्फोट के जवाब में आया है, जिसमें कम से कम 500 लोगों की जान चली गई है और बड़े पैमाने पर आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू हो गई है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बताया कि आपदा के समय 247 मजदूर भूमिगत थे, और यह अभी भी अनिश्चित है कि अतिरिक्त कर्मी अभी भी सतह के नीचे फंसे हुए हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बीजिंग से लगभग 520 किलोमीटर (320 मील) दक्षिण-पश्चिम में स्थित किनयुआन काउंटी में स्थित संयंत्र में घातक गैस विस्फोट हुआ, जो खदान की प्रणालियों द्वारा कार्बन मोनोऑक्साइड अलर्ट जारी किए जाने के तुरंत बाद हुआ। वहीं, त्रासदी के तुरंत बाद, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने खदान प्रबंधन के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की, जिसमें खदान चलाने वाली कंपनी के अधिकारियों को हिरासत में लिया गया।

पीएम मोदी की अपील पर पॉइंट-टू-पॉइंट चल रहे सीएम डॉ. मोहन, सिंगरौली में पेश की सादगी की मिसाल

मुख्यमंत्री का यह कदम प्रधानमंत्री मोदी के उस मितव्ययितापूर्ण दृष्टिकोण को भी प्रतिबिंबित करती है, जिसमें जनप्रतिनिधियों को सादगी, अनुशासन और जनसेवा के मूल्यों के साथ काम करने की प्रेरणा दी जाती है।

(जीएनएस)।

भोपालः मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री 23 मई को सिंगरौली जिले के प्रवास पर थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययता की अपील का पालन करते हुए सादगी की मिसाल पेश की। सिंगरौली पहुंचते ही सीएम डॉ. मोहन जनप्रतिनिधियों के साथ टूरिस्ट बस में बैठकर कार्यक्रम स्थल एनसीएल ग्राउंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने काफिला पूरी तरह त्याग दिया। यह कदम उठाकर उन्होंने संदेश दिया कि किसी जनप्रतिनिधि की पहचान प्रोटोकॉल नहीं, बल्कि जनता का प्रेम और उसकी सेवा है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ बस में लोक स्वास्थ्य

यांत्रिकी मंत्री एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, विधायक सिंहावल विश्वामित्र पाठक तथा मध्यप्रदेश गृह एवं अधोसंरचना निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, जनप्रतिनिधि कांतदेव सिंह एवं सुंदरलाल शाह भी उपस्थित थे।

जनसेवा के मुल्यों के साथ काम करने की प्रेरणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह सरल और सहज अंदाज नागरिकों को भा गया। बस से कार्यक्रम स्थल पहुंचकर मुख्यमंत्री ने यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधियों की पहचान केवल पद और प्रोटोकॉल से नहीं, बल्कि जनता से जुड़ाव, सादगी और सेवा भावना से होती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा उत्तर प्रदेश सीएम योगी

लखनऊ, सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश में 'आयुष हेल्थ एंड वेलनेस नीति-2026' को लागू करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश को केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित न रखते हुए आयुष, योग, पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सा और वेलनेस सेवाओं के समन्वय से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि आयुष सेवाओं को आधुनिक प्रबंधन, गुणवत्ता मानकों और पर्यटन से जोड़ते हुए ऐसा मॉडल तैयार किया जाना चाहिए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के साथ रोजगार और निवेश को भी नई गति मिले।

'कंप्रोमाइज्ड' प्रधानमंत्री 'करीबी मित्र' को खुश करने में लगे हैं : रूबियो के बयान पर बोलेकांग्रेस के दिग्गज जयराम रमेश

(जीएनएस)।

नयी दिल्ली, कांग्रेस ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के उस बयान को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर का अमेरिकी सामान खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।

विपक्षी पार्टी ने साथ ही यह आरोप भी लगाया कि "कंप्रोमाइज्ड पीएम" अपने "करीबी मित्र" को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने "जनविरोधी" और "खतरनाक" उस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरस्त करने का साहस क्यों नहीं दिखाया।

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि मोदी सरकार ने अमेरिका से रिकॉर्ड आयात करने पर सहमति क्यों जताई, जबकि प्रधानमंत्री ने पहले ही नागरिकों से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए घरेलू ईंधन की खपत और विदेश यात्राएं कम करने का आग्रह किया था। उन्होंने पूछा, "क्या अमेरिका से आयात में यह भारी वृद्धि रुपये की गिरावट को और तेज नहीं करेगी?"

रमेश ने 'एक्स' पर कहा, "10 मई 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 5:37 बजे अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सबसे पहले युद्धविराम की घोषणा की थी, जिससे 'ऑपरेशन सिंदूर' अप्रत्याशित रूप से रुक गया। उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण ही यह युद्धविराम संभव हो पाया।"

उन्होंने कहा कि 21 मई 2026 को रूबियो फिर सबसे पहले यह घोषणा करने वाले व्यक्ति बने कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति अगले सप्ताह भारत यात्रा पर आएंगे। उन्होंने कहा कि यह तब हुआ, जब भारत और वेनेजुएला ने स्वयं इस खबर का संकेत तक नहीं दिया था या इसकी पुष्टि नहीं की थी।

रमेश ने कहा, 'आज रूबियो ने एक बार फिर 'एक्स' पर यह बयान देकर देश को चौंका दिया है कि मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों में ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृषि क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते

हुए अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।"

उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 26 तक भारत का वार्षिक आयात 52.9 अरब डॉलर है और रूबियो के बयान का अर्थ है कि भारत को अमेरिका से अपना वार्षिक आयात दोगुना करना पड़ेगा।

रमेश ने कहा, "इस नए घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री से हमारे पांच सीधे सवाल हैं – अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के बाद, जिसमें ट्रंप टैरिफ को रद्द कर दिया गया था।

मलेशिया जैसे देशों ने अमेरिका के साथ अपने व्यापार समझौतों को 'अमान्य' घोषित कर दिया है। संसद में राहुल गांधी के खुलासे के दबाव में प्रधानमंत्री ने जल्दबाजी में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें मोदी सरकार ने एकतरफा तरीके से भारी रियायतें दे दीं, जो हमारे किसानों और उद्योगों के लिए खतरा हैं।"

उन्होंने कहा, "अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद इस समझौते का तर्क अब ध्वस्त हो चुका है। फिर मोदी सरकार ने इस 'जनविरोधी' और 'खतरनाक' व्यापार समझौते को इसी तरह निरस्त करने का साहस क्यों नहीं दिखाया?"

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं लोगों से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए घरेलू ईंधन खपत और विदेश यात्राएं कम करने की अपील कर चुके हैं, तो फिर उसी समय मोदी सरकार ने अमेरिका से रिकॉर्ड आयात पर सहमति क्यों दी?

रमेश ने पूछा, "मोदी सरकार ने इस समय अमेरिका से रिकॉर्ड आयात करने पर इतनी खुलेआम सहमति क्यों दे दी है?"

'इटली जाकर चॉकलेट दे रहे...', पीएम मोदी के मेलोडी गिफ्ट पर ममता बनर्जी का तंज

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने वोट लूट, मेलोडी मुद्दे और पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों को लेकर पीएम मोदी पर चौतरफा हमला बोला है. इसके साथ ही उन्होंने बंगाल में टीएमसी के 2500 दफ्तरों को सील किए जाने और पार्षदों की गिरफ्तारी पर भी केंद्र को घेरा.

(जीएनएस)।

वोट लूट को लेकर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. इतना ही नहीं, उन्होंने पीएम मोदी के विदेशी दौरों और मेलोडी वाले मुद्दे को लेकर भी उन पर करारा तंज कसा. ममता ने कहा कि 'प्रधानमंत्री विदेशों में घूम रहे हैं और इटली में चॉकलेट बांट रहे हैं, जबकि असली चॉकलेट तो देश के बच्चों को मिलनी चाहिए.' इसके साथ ही उन्होंने महंगे पेट्रोल-डीजल और बंगाल में टीएमसी के पार्टी दफ्तरों को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए.

महंगे तेल को लेकर ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला. उन्होंने कहा कि बहुत ही कम समय के अंदर पेट्रोल-डीजल के दाम तीन बार बढ़ा दिए गए हैं. इससे आम जनता पर महंगाई का भारी बोझ पड़ा है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब चारों तरफ महंगाई बढ़ रही है, तब सरकार लोगों को राहत देने के बजाय आखिर कर क्या रही है? इस दौरान, पीएम मोदी के विदेशी दौरों को घेरते हुए ममता ने कहा कि देश की जनता अब यह जानना चाहती है कि इन हवाई यात्राओं में आखिर कितना ईंधन (फ्यूल) फूंक दिया जाता है.

तेल की कीमतों के अलावा भाषण के दौरान चुनाव में हुई वोट लूट का मुद्दा भी जमकर गरमाया. ममता का सीधा आरोप है कि चुनाव में वोटों की खुली लूट हुई है. यहां तक कि केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवान काउंटिंग सेंटर के अंदर तक घुस गए थे और उन्होंने बिल्कुल बीजेपी एजेंट की तरह काम किया. इसके साथ ही राज्य में टीएमसी के खिलाफ हो रही कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया गया.

आरोप है कि अब बंगाल में रैलियां और मीटिंग करने की परमिशन तक नहीं मिल रही है. टीएमसी पार्षदों को लगातार गिरफ्तार किया जा रहा है और पार्टी के करीब 2500 दफ्तरों पर जबरन कब्जा कर उन्हें सील कर दिया गया है. दिल्ली की सत्ता पर बरसते हुए ममता ने कहा कि अगर ये लोग हमारे लोगों को जेल भेजने की बात करते हैं, तो असली जेल तो इन्हें होनी चाहिए, जिनका काम सिर्फ तोड़फोड़ करना रह गया है.

आरोप यह भी है कि बंगाल के लोगों को उनकी कमाई से बनाए गए घरों के लिए परेशान किया जा रहा है. ममता के मुताबिक, कुछ बाहरी गुंडे टीएमसी को देखकर 'चोर-चोर' के नारे लगा रहे हैं और स्थानीय प्रशासन की जगह बाहरी अधिकारी आकर निर्देश दे रहे हैं. इसके अलावा, उन्होंने साल्ट लेक स्टेडियम में लगी मूर्ति को हटाए जाने पर भी गहरा दुख जताया, जिसे खुद ममता ने बनवाया था।

'मोदी जी एक साल के बाद प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे', राहुल गांधी के बयान पर भड़की बीजेपी, कहा- 'टूलकिट गैंग की...'

राहुल गांधी के 'पीएम मोदी की विदाई तय' वाले बयान को लेकर बड़ा बवाल मच गया है. पीयूष गोयल ने कहा कि कट्टरक गठबंधन की भारत में आग लगाने की साजिश कभी भी कामयाब नहीं हो पाएगी.

(जीएनएस)।

कांग्रेस की अल्पसंख्यक सलाहकार समिति की बैठक में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बड़ा राजनीतिक बयान दिया. उन्होंने कहा कि अगले एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदाई तय है. इस पर अब केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

पीयूष गोयल ने रविवार (24 मई) को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि राहुल गांधी का बयान देश के खिलाफ कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों एवं भारत को अस्थिर करने का सपना देख रहे टूलकिट गैंग की एक बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहा है. यह कोई साधारण बयान नहीं है बल्कि देश में अराजकता फैलाने का गंभीर षड्यंत्र है.

वो देश में हिंसा फैलाना चाहते हैं- पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी एंड कंपनी ने जब देख लिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की जनता के हृदय से हटाया नहीं जा सकता और सीधी लोकतांत्रिक लड़ाई में भाजपा को परास्त नहीं किया जा सकता तो अब वो देश में हिंसा फैलाना चाहते हैं.

सम्पादकीय

उन्नत तकनीक से सीमा सुरक्षा

उन्नत तकनीक से सुरक्षा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से आयोजित वार्षिक रुस्तम जी व्याख्यानमाला के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार तकनीक, ड्रोन, राडार और स्मार्ट वैमरों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमाओं पर एक मजबूत सुरक्षा जाल तैयार करेगी। दरअसल भारत की पाकिस्तान और बांग्लादेश से 6000 किमी से ज्यादा लम्बी सीमा है जहां से घुसपैठ की संभावना हमेशा बनी रहती है। पाकिस्तान से लगी सीमा पर तो ज्यादातर क्षेत्रों की बाड़बन्दी हो चुकी है लेकिन पाक आतंकी तार के नीचे से लम्बी सुरंग बनाकर भारत की सीमा में घुस जाते हैं। इसी तरह बांग्लादेश से लगी 4096 किमी की सीमा में जंगलों के रास्ते घुसपैठिए घुसपैठ कर असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय में घुस आते हैं। इस तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने ह्यस्मार्ट बार्डर ग्रिडह्ण परियोजना का प्रस्ताव किया जो वर्तमान में चल रही ह्यव्यापक एकीवृत बार्डर प्रबंधन प्रणालीह्ण यानि सीआईबीएमएस प्रणाली पर आधारित हो सकता है। सच तो यह है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के जो भी नागरिक भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते हैं उनकी पहले से ही भारत के अन्दर किसी निजी एजेंसी या अवैध गिरोह से संपर्क होता है। ऐसे गिरोह भारत के अन्दर प्रवेश कराने फजी राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनवाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। फिर उन्हें सरकारी जमीन पर कब्जा करके अपना ठिकाना बनाने की भी सुविधा मिल जाया करती थी। असम में सीमा की निगरानी में बीएसएफ लगी है। इसके द्वारा निगरानी की सीआईबीएमएस योजना को लागू करने में राज्य सरकार ने पूरा सहयोग किया किन्तु पश्चिम बंगाल सरकार ने इस परियोजना को लागू होने ही नहीं दिया। अब नई सरकार इस परियोजना को पूरी तरह लागू करने के लिए वृतसंकल्प है। पाकिस्तान से लगी 3323 किमी सीमा पर यह प्रणाली गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से लगती सीमा पर पूरी तरह लागू है। इन सभी राज्यों में सरकार किसी भी पाटी की हो राज्य सरकारों से बीएसएफ को पूरा सहयोग मिलता है। बांग्लादेश में घुसपैठ कराने के लिए बहुत सारे निजी कारोबारी सव्रिय हैं और वे अपनी फीस वसूल कर घुसपैठियों को भारत में भेजते रहे हैं। किन्तु जबसे उन्हें पता चला है कि बाड़ लगे तारों में बिजली का सिस्टम लगाने की तैयारी चल रही है, ये घुसपैठ गैंग परेशान है। उन्हें अपना व्यवसाय डूबता हुआ नजर आ रहा है। मजे की बात तो यह है कि पाक के घुसपैठिए भारत में हिंसा पैलाने के लिए आते हैं जिन्हें सैन्य खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर वहां के आतंकी संगठन भेजते हैं और इसके लिए पूरा खर्च वे आईएसआई और केन्द्र सरकार से वसूलते हैं। जब कि बांग्लादेश के घुसपैठिए रोजी-रोटी कमाने के लिए भारत के सीमा में घुसते हैं। भारत के अन्दर तमाम संगठन ऐसा मानते हैं कि बांग्लादेश से आने वाले जरूरतमंद लोग यदि भारतीय क्षेत्र में आते हैं तो उन्हें रोकना नहीं चाहिए। ऐसे लोगों के दृष्टिकोण भारत के नागरिकों के हितों के सर्वथा प्रतिवूल हैं। बांग्लादेशियों के भारत में घुसपैठ का दबाव हमारी अर्थव्यवस्था पर बहुत ही घातक साबित हुआ है। यही नहीं ये बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत के शहरों में लूटपाट, डवैती, हिंसा जैसे अपराधों में वृद्धि करते हैं। यह भी सच है कि बांग्लादेशी घुसपैठिए जनसंख्या विस्फोट के लिए भी वुख्यात हैं। बहरहाल अब यदि सरकार नवीनतम टेक्नोलॉजी के माध्यम से घुसपैठ को रोकने की तरकीब विकसित कर रही है तो निश्चित रूप से राष्ट्र विरोधी इस गतिविधि पर रोक लगाई जा सकती है। गृहमंत्री अमित शाह ने जरूरत के मुताबिक नक्सलियों के संहार के लिए जो भी सिस्टम विकसित किया उसका लाभ सीआरपीएफ के जवानों को मिला और उन्होंने नक्सल को समाप्त या बहुत हद तक नियंत्रित कर दिया है। इसी तरह यदि घुसपैठ नियंत्रण के लिए गृहमंत्री की परियोजनाएं सफलतापूर्वक लागू कर दी गईं तो निश्चित रूप से घुसपैठ करने वाले चाहे पाकिस्तानी हों या फिर बांग्लादेश के, हजार बार सोचेंगे।

क्या पीएम मोदी की एक आवाज पर भारतीयों ने रोक दी फॉरेन ट्रिप? चौंकाने वाले हैं RBI के ये आंकड़े

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में विदेशी मुद्रा बचाने के लिए लोगों से विदेशी यात्राओं और गैर जरूरी खर्चों में संयम बरतने की अपील की थी. अब आरबीआई के ताजा आंकड़े दिखा रहे हैं कि भारतीयों ने विदेश यात्रा पर खर्च पहले से ही कम करना शुरू कर दिया था. मार्च 2026 में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च घटकर 1.09 अरब डॉलर रह गया, जो जनवरी में 1.65 अरब डॉलर था. लगातार तीन महीनों की गिरावट ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारतीयों ने फॉरेन ट्रिप्स पर ब्रेक लगाना शुरू कर दिया है. भारतीयों ने पीएम मोदी की अपील से पहले ही विदेश यात्रा पर खर्च कम करना शुरू कर दिया था.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक अपील का असर भारतीयों की फॉरेन ट्रिप्स पर दिखने लगा है? भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़े कुछ ऐसे ही संकेत दे रहे हैं. विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च लगातार घट रहा है और मार्च 2026 में यह कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गया. दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई के पहले पखवाड़े में देशवासियों से विदेशी मुद्रा बचाने की अपील की थी. उन्होंने लोगों से गैर जरूरी आयात, सोने की खरीद और विदेशी यात्राओं में संयम बरतने की बात कही थी, ताकि देश का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत बना रहे. दिलचस्प बात यह है कि आरबीआई के आंकड़े दिखाते हैं कि भारतीयों ने पीएम मोदी की अपील से पहले ही विदेश यात्रा पर खर्च कम करना शुरू कर दिया था.

आरबीआई के मुताबिक, मार्च 2026 में भारतीयों ने विदेश यात्रा पर सिर्फ 1.09 अरब डॉलर खर्च किए. फरवरी में यह आंकड़ा 1.30 अरब डॉलर था, जबकि जनवरी में विदेश यात्रा पर खर्च 1.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया था. यानी सिर्फ दो महीनों में विदेश यात्रा पर खर्च करीब 56 करोड़ डॉलर घट गया. यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब पश्चिम एशिया तनाव, महंगा डॉलर, बढ़ते एयरफेयर और वैश्विक अनिश्चितता ने विदेशी ट्रैवल को पहले से ज्यादा महंगा बना दिया है.

आरबीआई के लिब्रलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम यानी एलआरएस डेटा के मुताबिक, 'अन्य यात्रा' श्रेणी में मार्च के दौरान 62.30 करोड़ डॉलर खर्च किए गए. इसमें छुट्टियां, इंटरनेशनल होटल बुकिंग और विदेशी क्रेडिट कार्ड खर्च शामिल हैं. यह कुल यात्रा खर्च का करीब 57 प्रतिशत हिस्सा रहा. विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी ट्रिप्स पर घटती बुकिंग और नियंत्रित खर्च का असर इस डेटा में साफ दिख रहा है.

विदेश पढ़ाई और प्रॉपर्टी खरीद भी धीमी

विदेश में पढ़ाई से जुड़े खर्च में भी नरमी देखने को मिली. मार्च में 'विदेश में अध्ययन' श्रेणी के तहत खर्च घटकर 15.17 करोड़ डॉलर रह गया. जनवरी में यही आंकड़ा 26.74 करोड़ डॉलर था. विदेश में प्रॉपर्टी खरीद पर भारतीयों का खर्च भी घटा है. मार्च में सिर्फ 3.86 करोड़ डॉलर विदेश में अचल संपत्ति खरीद पर खर्च किए गए, जबकि फरवरी में यह 5.13 करोड़ डॉलर था.

आखिर क्यों कम हो रही हैं फॉरेन ट्रिप्स

विशेषज्ञों के मुताबिक इसके पीछे कई वजहें हैं. पहली वजह पश्चिम एशिया तनाव और वैश्विक अनिश्चितता है, जिससे लोग महंगी विदेशी यात्राओं से बच रहे हैं. दूसरी वजह डॉलर की मजबूती है. रुपये की कमजोरी के कारण विदेश यात्रा पहले के मुकाबले काफी महंगी हो गई है. तीसरी वजह सरकार का विदेशी मुद्रा बचाने पर बढ़ता फोकस है. सरकार लगातार लोकल खर्च, घरेलू पर्यटन और आयात पर निर्भरता घटाने पर जोर दे रही है.

क्या है एलआरएस योजना

आरबीआई की एलआरएस योजना के तहत भारत का कोई भी निवासी एक वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर तक विदेश भेज सकता है. यह रकम यात्रा, पढ़ाई, निवेश, प्रॉपर्टी खरीद या अन्य वैध खर्चों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है. मार्च 2026 में एलआरएस के तहत कुल 2.59 अरब डॉलर विदेश भेजे गए, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा यात्रा खर्च का था.

विदेशी मुद्रा बचाने पर सरकार का जोर

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देशों में शामिल है. ऐसे में विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत बनाए रखना सरकार की बड़ी प्राथमिकताओं में है. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आने वाले महीनों में वैश्विक तनाव और महंगा डॉलर बना रहता है, तो भारतीयों की विदेशी यात्राओं और बाहरी खर्च में और कमी देखने को मिल सकती है.

पीएम मोदी के साथ वायरल हुए वे दो 'नन्हें दोस्त' कौन हैं? मिल गया जवाब

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल पर दो प्यारे बच्चों के साथ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, "कल दो छोटे दोस्त सेवा तीर्थ आए थे."

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः सोशल मीडिया पर जब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बच्चों के साथ कोई तस्वीर आती है, तो वह तुरंत वायरल हो जाती है. शनिवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ, जिसने इंटरनेट पर एक बड़ा सस्पेंस खड़ा कर दिया. पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर दो बेहद प्यारे बच्चों के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, "कल दो छोटे दोस्त सेवा तीर्थ आए थे."

इन तस्वीरों में एक गुलाबी फ्रॉक पहनी नन्ही बच्ची और एक छोटा बालक पीएम मोदी के साथ उनके आधिकारिक कार्यालय 'सेवा तीर्थ' (पीएमओ) में खेलते और मुस्कुराते नजर आ रहे हैं. एक तस्वीर में पीएम मोदी बच्चे को गोद में उठाकर नोटबुक दे रहे हैं, तो दूसरी तस्वीर में बच्चे उनकी डेस्क के पास खड़े हैं. इन तस्वीरों के सामने आते ही हर तरफ एक ही चर्चा शुरू हो गई कि आखिर पीएम मोदी के ये दो 'नन्हें दोस्त' हैं कौन?

केंद्रीय मंत्री के ट्वीट से उठा सस्पेंस से पर्दा

इस सस्पेंस पर से पर्दा तब उठा जब केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और टीडीपी (TDP) सांसद राम मोहन नायडू किंजरापु ने एक्स (पहले ट्विटर) पर अपने परिवार की मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं. इन तस्वीरों को ध्यान से देखते ही साफ हो गया कि पीएम मोदी के साथ वायरल हो रहे वे दो नन्हें बच्चे कोई और नहीं, बल्कि केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू के ही बच्चे हैं.

राम मोहन नायडू अपने पूरे परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे थे. इस मुलाकात के दौरान वहां एक बेहद भावुक और यादगार नजारा देखने को मिला, जहां परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ प्रधानमंत्री से आशीर्वाद ले रही थीं.

मां ने सौंपा पौधा और मंत्री ने जताया आभार

इस खास मुलाकात की एक और बड़ी विशेषता यह रही कि राम मोहन नायडू की मां ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके बेहद लोकप्रिय अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत एक हरा-भरा पौधा भेंट किया. तस्वीरों में प्रधानमंत्री पूरे परिवार के साथ बेहद गर्मजोशी से मिलते, बातचीत करते और हाथ मिलाते हुए नजर आ रहे हैं.

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने इस मुलाकात को अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताते हुए एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा उनके परिवार की तीन पीढ़ियों तक जुड़ा हुआ है. उन्होंने अपने व्यस्ततम शेड्यूल में से समय निकालने और बच्चों व परिवार को आशीर्वाद देने के लिए प्रधानमंत्री का दिल से आभार व्यक्त किया.

लाल किले से गूंजा संदेश, सीएम विष्णुदेव बोले- दुनिया को प्रकृति संग जीना जनजातीय समाज से सीखना होगा

(जीएनएस)।

देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में रविवार को जनजातीय संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान का ऐसा विराट दृश्य देखने को मिला, जिसने पूरे माहौल को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के मौके पर आयोजित राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम में देशभर से हजारों जनजातीय प्रतिनिधि, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और पारंपरिक समुदायों के लोग एक मंच पर जुटे।

जनजाति सुरक्षा मंच और जनजाति जागृति समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास राजनीतिक और सामाजिक महत्व दिया।

लाल किले में दिखा जनजातीय भारत का रंग

लाल किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में जब मांदर, ढोल और पारंपरिक लोकधुनों की आवाज गूंजी तो पूरा मैदान जनजातीय संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया।

अलग-अलग राज्यों से पहुंचे कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और लोक संगीत के जरिए भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत की झलक पेश की। पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच यह आयोजन सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम बनकर नहीं रहा, बल्कि जनजातीय अस्मिता और पहचान के राष्ट्रीय संदेश के रूप में सामने आया।

'प्रकृति के साथ विकास' का मॉडल दे सकता है जनजातीय समाज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज सिर्फ जंगलों का रक्षक नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत रूप है।

उन्होंने कहा कि सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए जनजातीय समाज ने प्रकृति और इंसान के बीच संतुलन बनाए रखा है।

आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब जनजातीय जीवनशैली दुनिया को टिकाऊ विकास का रास्ता दिखा सकती है। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति से जुड़ी है। राज्य में 42 प्रकार की जनजातियां रहती हैं और लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है।

बिरसा मुंडा और वीर नारायण सिंह का किया स्मरण

मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा और छत्तीसगढ़ के अमर शहीद वीर नारायण सिंह को याद करते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इन महानायकों ने अपने अधिकार, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष और बलिदान का इतिहास रचा।

जनजातीय भाषा और संस्कृति बचाने पर जोर

विष्णुदेव साय ने कहा कि उनकी सरकार जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने 'आदि परब', 'बस्तर पंडुम' और 'बस्तर ओलंपिक' जैसे आयोजनों का जिक्र करते हुए कहा कि ये सिर्फ सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजातीय प्रतिभा और पहचान को राष्ट्रीय मंच देने की पहल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समाज की संस्कृति उसकी भाषा से जीवित रहती है। इसी वजह से छत्तीसगढ़ सरकार गोंडी, हल्बी और सादरी जैसी जनजातीय भाषाओं में बच्चों को शुरूआती शिक्षा देने पर काम कर रही है, ताकि नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रहे।

रळ सूची और आरक्षण पर भी उठाया बड़ा मुद्दा

मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में जनजातीय समाज के संवैधानिक अधिकारों और पहचान से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि समाज के भीतर यह मांग लगातार मजबूत हो रही है कि जो लोग अपनी मूल जनजातीय परंपराओं, संस्कृति और धर्म को छोड़ चुके हैं, उन्हें अनुसूचित जनजाति सूची से बाहर किए जाने पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

साय ने कहा कि इससे आरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ उन समुदायों तक पहुंचेगा जो आज भी अपनी मूल परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को बचाकर रखे हुए हैं। उन्होंने साफ किया कि यह किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि जनजातीय अस्मिता और अधिकारों की रक्षा का मुद्दा है। दिनभर चले इस आयोजन ने यह संदेश देने की कोशिश की कि जनजातीय समाज सिर्फ भारत के अतीत की पहचान नहीं, बल्कि भविष्य के टिकाऊ विकास और सांस्कृतिक संतुलन की भी मजबूत नींव है।

45 डिग्री का टॉर्चर! आपकी हरी-भरी फसलों को न लगे लू की नजर

(जीएनएस)।

देश के कई राज्यों में इस समय भीषण गर्मी और लू ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार बढ़ते तापमान का असर अब खेतों में साफ दिखाई देने लगा है। कई इलाकों में मिट्टी तेजी से सूख रही है, सब्जियों की फसल झुलसने लगी है और नई पौध कमजोर पड़ रही है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार गर्मी सामान्य मौसम से काफी अलग है, इसलिए किसानों को भी अब खेती के तरीके बदलने होंगे।

केवल सिंचाई करना काफी नहीं होगा, बल्कि खेत की नमी बचाने, पौधों को तेज धूप से बचाने और सही पोषण देने पर भी ध्यान देना जरूरी है।

कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच चुका है, जिससे फसलों के साथ भूजल स्तर पर भी दबाव बढ़ रहा है। अगर समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

सबसे ज्यादा खतरे में कौन सी फसलें?

भीषण गर्मी का असर सबसे ज्यादा सब्जियों, नर्सरी और हरी पत्तेदार फसलों पर पड़ रहा है। टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च, ब्रोकली, फूलगोभी और नई पौध तेज धूप में जल्दी सूखने लगती है। कई जगहों पर पत्तियां पीली पड़ रही हैं और पौधों में फूल बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।

फल वाली फसलों पर भी गर्मी का असर दिखने लगा है। आम, तरबूज, खरबूज और अंगूर जैसी फसलों में समय से पहले फल गिरने की समस्या बढ़ सकती है। अधिक तापमान के कारण फलों का आकार छोटा रह जाता है और गुणवत्ता पर असर पड़ता है।

बदलते मौसम में बदलना होगा सिंचाई का तरीका

गर्मी में खेतों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है, लेकिन पारंपरिक सिंचाई में पानी की काफी बबादी होती है। ऐसे में कृषि वैज्ञानिक ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर सिस्टम अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

इन तकनीकों में पानी सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचता है, जिससे मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है। इससे कम पानी में ज्यादा सिंचाई हो जाती है और बिजली का खर्च भी कम होता है।

ड्रिप और स्प्रिंकलर से होंगे ये फायदे

कम पानी में बेहतर सिंचाई

जड़ों तक लगातार नमी पहुंचती है

तेज गर्मी में भी पौधे हरे रहते हैं

मजदूरी और बिजली खर्च कम होता है

फसल की बढ़वार तेज होती है

मिट्टी की नमी लंबे समय तक बनी रहती है

होर्मुज स्ट्रेट से हटेगी नाकेबंदी! अमेरिका-ईरान डील पर आई वो 'अच्छी खबर', जिसका पूरी दुनिया को था इंतजार

(जीएनएस)।

मध्य पूर्व में कई महीनों से जारी तनाव के बीच अब राहत की उम्मीद दिख रही है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते और होर्मुज स्ट्रेट दोबारा खुलने के संकेतों ने दुनिया को बड़ी राहत दी है। ईरान ने दावा किया है कि अगले 30 दिनों में होर्मुज से जहाजों की आवाजाही युद्ध से पहले जैसी हो जाएगी।

इस रास्ते के बंद होने से भारत समेत कई देशों में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हुई थी। अब अगर समझौता होता है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों और वैश्विक ऊर्जा संकट पर बड़ा असर पड़ सकता है।

होर्मुज स्ट्रेट खुलने से दुनिया को राहत

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। खाड़ी देशों का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से तेल और गैस दुनिया तक पहुंचाता है। युद्ध शुरू होने के बाद यहां जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी। इससे एशिया और यूरोप के कई देशों में ऊर्जा संकट गहरा गया। अब ईरान ने संकेत दिए हैं कि अगले एक महीने में स्थिति सामान्य हो सकती है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट आने की उम्मीद

बढ़ गई है।

ये भी पढ़ें: वर क्श्ल्ल ढ़ीॢ ऊॅं': होर्मुज खुलेगा, यूरेनियम जाएगा! अमेरिका-ईरान के बीच तैयार हुए टडव के 5 सबसे बड़े राज

अमेरिका-ईरान समझौते के करीब

अमेरिकी विदेश मंत्री टं१ूङ्क फ्ङ्घ्रङ्क ने भारत दौरे के दौरान कहा कि जल्द ही दुनिया को अच्छी खबर मिल सकती है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ऊङ्कल्लं'ि ळ१४ेस्र ने भी दावा किया कि अमेरिका और ईरान समझौते के बेहद करीब हैं। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच शत्रुता खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर सहमति बन चुकी है। फिलहाल समझौते की अंतिम शर्तों पर बातचीत जारी है।

भारत समेत कई देशों पर पड़ा असर

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का सबसे ज्यादा असर उन देशों पर पड़ा जो खाड़ी देशों से तेल और गैस खरीदते हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और कई एशियाई देशों में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई। पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ीं और कई जगह गैस की कमी भी देखने को मिली। भारत के लिए यह समुद्री रास्ता बेहद अहम है क्योंकि देश की बड़ी तेल जरूरतें इसी मार्ग से पूरी होती हैं। अब रास्ता खुलने की खबर से आम लोगों को भी राहत मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

पाकिस्तान निभा रहा मध्यस्थ की भूमिका

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में पाकिस्तान अहम भूमिका निभा रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख अ२े ट४ल्ल१ ने हाल ही में तेहरान जाकर ईरानी नेताओं से मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक बातचीत में सकारात्मक प्रगति हुई है। पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान के कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी ईरान जा चुके हैं। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर को स्थायी बनाने और युद्ध खत्म कराने में पाकिस्तान बड़ी भूमिका निभा सकता है।

तेल प्रतिबंध हटाने पर भी चर्चा

ईरानी मीडिया के मुताबिक संभावित समझौते में अमेरिका की ओर से ईरान पर लगे तेल प्रतिबंधों को हटाने पर भी चर्चा हुई है। अगर ऐसा होता है तो ईरान दोबारा बड़ी मात्रा में तेल निर्यात कर सकेगा। इससे वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई बढ़ेगी और कीमतों पर दबाव कम होगा। हालांकि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अभी कोई बड़ा समझौता स्वीकार नहीं किया है। इसलिए अंतिम समझौते से पहले कई मुद्दों पर सहमति बनना अभी बाकी माना जा रहा है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ राष्ट्रमंडल खेलों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 75वें संस्करण में आज देशभर में 8,000 से अधिक स्थानों पर भारी भागीदारी देखी गई, जो राष्ट्रमंडल खेल दिवस का स्मरणोत्सव मनाता है और अहमदाबाद में होने वाले ऐतिहासिक 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की ओर गति प्रदान करता है।

अहमदाबाद के प्रतिष्ठित साबरमती नदी तट से राष्ट्रीय समारोहों का नेतृत्व करते हुए, केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, गुजरात के उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी और बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने 5,000 साइकिल चालकों, एथलीटों, युवा स्वयंसेवकों और फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के साथ सामुदायिक भागीदारी और खेल भावना का एक जीवंत प्रदर्शन किया।

अहमदाबाद संस्करण, जिसका विषय "एक स्वस्थ भारत के लिए एक नया प्रतीक - 2030 तक साइकिल चलाना" था, में योग और जुम्बा प्रदर्शनों के साथ-साथ एक भव्य 5 किलोमीटर की साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसने साबरमती नदी तट को फिटनेस, संस्कृति और भारत के खेल विकास के उत्सव में बदल दिया।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण डॉ. मांडविया द्वारा राष्ट्रमंडल खेलों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन था, जिसमें भारत की खेल उपलब्धियों, खेलो इंडिया मिशन के तहत खेल अवसंरचना के विकास और 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी में देश के विस्तारित खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित किया गया।

इस आयोजन में पिकलबॉल, बॉक्स क्रिकेट, वॉलीबॉल, रस्साकशी और कई सहभागिता आधारित सामुदायिक खेलों सहित कई प्रकार की आकर्षक गतिविधियां भी शामिल थीं, जिससे सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए एक उत्सव जैसा माहौल बन गया।

अभिनेता आयुष्मान खुराना पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं और ओलंपियनों जैसे गुरजीत कौर, रजनी एतिमार्पु, सोनिका तांडी, अंजुम मौदगिल, अंकुर मित्तल और तृप्ति मुगंर्डे के साथ शामिल हुए, जिन्होंने युवा प्रतिभागियों को प्रेरित किया और भारत के युवाओं के बीच फिटनेस और खेल की बढ़ती संस्कृति को मजबूत किया।

इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति और खेल जगत के नेता भी उपस्थित थे, जिनमें भारतीय ओलंपिक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय पटेल; ओलंपिक निशानेबाज और चैंपियनशिप पदक विजेता गगन नारंग; खेलो इंडिया के उप महानिदेशक श्री मयंक श्रीवास्तव; और ओलंपियन और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला शामिल थे।

इस आयोजन का एक विशेष सांस्कृतिक आकर्षण गरबा की पारंपरिक भावना को योग के विज्ञान के साथ मिलाकर प्रस्तुत किया गया एक अनूठा प्रदर्शन था, जिसे प्रसिद्ध कलाकार श्री अनीश रंगरेज ने प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के डॉ. पवन कुमार ने समग्र स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य परामर्श और मार्गदर्शन सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

2030 में होने वाले ऐतिहासिक शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की व्यापक तैयारियों के तहत, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) जनभागीदारी को गहरा करने और भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए देश भर में भव्य, अंतःक्रियात्मक और समुदाय-संचालित पहलों का आयोजन जारी रखेगा।

देशव्यापी समारोहों का उद्देश्य राष्ट्रमंडल खेलों के आंदोलन के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करना है, साथ ही युवाओं को फिटनेस, खेल और सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है, क्योंकि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा, 'आज का दिन बहुत खास है क्योंकि हम साइकिल पर आधारित फिट इंडिया संडे के 75वें संस्करण के साथ-साथ राष्ट्रमंडल खेलों का दिवस भी मना रहे हैं। मुझे इस बात का गर्व है कि गुजरात 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा, और इससे भी अधिक खुशी इस बात की है कि हजारों लोग सुबह-सुबह फिटनेस और राष्ट्र निर्माण के लिए एक साथ इकट्ठा हो रहे हैं।'

'एक स्वस्थ समाज एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। यदि हम वास्तव में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करना चाहते हैं, तो प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ जीवनशैली और फिटनेस को प्राथमिकता देनी होगी। साइकिल चलाना केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है। यह हमें फिट रखता है, प्रदूषण कम करता है और ईंधन बचाने में मदद करता है, साथ ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ईंधन खपत कम करने की अपील के अनुरूप भी है। अपने दैनिक जीवन में, चाहे कम दूरी के लिए ही क्यों न हो, साइकिल चलाने को अपनाकर हम एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।'

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा, 'आज अहमदाबाद शहर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के दौरान पूरी तरह रौनक छा गई और गुजरात की जनता की इस जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखकर मैं बेहद खुश हूं। हजारों नागरिकों का सुबह-सुबह फिटनेस और खेलकूद के लिए बाहर निकलना स्वस्थ जीवनशैली के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को दर्शाता है।'

अहमदाबाद में देखी गई व्यापक भागीदारी ने गुजरात भर में खेल और फिटनेस के प्रति बढ़ते उत्साह को भी प्रतिबिंबित किया, जो भविष्य में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने के लिए राज्य की तत्परता को रेखांकित करता है।

नागरिकों, खिलाड़ियों, युवा स्वयंसेवकों और फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों की भारी संख्या में उपस्थिति ने इस क्षेत्र में खेल संस्कृति के तीव्र विकास को प्रदर्शित किया और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों से पहले वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में अहमदाबाद के उभरने को मजबूत किया।

अभिनेता और फिट इंडिया आइकन आयुष्मान खुराना ने कहा, 'आज यहां हर उम्र के लोगों को देखकर मुझे बेहद खुशी हो रही है, जो भरपूर उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं और आनंद उठा रहे हैं। फिट इंडिया और आगामी राष्ट्रमंडल खेल 2030 के बीच यह सहयोग बहुत ही शानदार है क्योंकि यह युवा भारतीयों में खेल संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। 'संडेज ऑन साइकिल' एक बेहद रोचक और दूरदर्शी पहल है।'

'खेल सिर्फ पदक जीतने के बारे में नहीं है; यह अनुशासन, त्याग और आकांक्षाओं को जगाने के बारे में है। हर खिलाड़ी के पीछे पूरा परिवार होता है जो त्याग करता है और उनके सपनों को साकार करने में मदद करता है। उनकी सफलता देश की सफलता बन जाती है। आज यहां भाग ले रहे बच्चों को देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि भारत के कई भावी पदक विजेता हमारे बीच ही हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि और मार्गदर्शन में, इस तरह की पहल भारतीय खेलों के भविष्य को आकार दे रही हैं,' उन्होंने आगे कहा।

देश भर में, एसएआई क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों, खेलो इंडिया केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर एक साथ इसी तरह के उत्सव मनाए गए, जिसमें ओलंपियन, राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता और खेल जगत की हस्तियां अपने-अपने क्षेत्रों में नागरिकों के साथ शामिल हुईं। माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने गुवाहाटी में उत्सव का नेतृत्व किया, पूर्व कुश्ती स्टार बबीता फोगाट ने धर्मशाला में भाग लिया, जबकि पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम - जो प्रतिष्ठित फिल्म चक दे! इंडिया की प्रेरणाओं में से एक थीं - मुंबई में उत्सव में शामिल हुईं, जिससे खेल जनभागीदारी की राष्ट्रव्यापी भावना को बल मिला।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित फिट इंडिया मूवमेंट के तहत दिसंबर 2024 में लॉन्च होने के बाद से, फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल भारत की सबसे बड़ी समुदाय-संचालित फिटनेस पहलों में से एक के रूप में उभरी है, जो 3.07 लाख से अधिक स्थानों तक पहुंच चुकी है, 50 लाख से अधिक साइकिल चालकों को शामिल कर चुकी है और जमीनी और डिजिटल भागीदारी के माध्यम से 7 करोड़ से अधिक भारतीयों से जुड़ चुकी है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा भारतीय साइकिलिंग महासंघ (सीएफआई), योगासन भारत, राहगिरी फाउंडेशन, एमवाई बाइक्स और एमवाई भारत के सहयोग से आयोजित यह पहल प्रधानमंत्री के "फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज" के विजन को और मजबूत करती है।

जैसे-जैसे अहमदाबाद 2030 में ऐतिहासिक राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की ओर लगातार बढ़ रहा है, आज का यह उत्सव एक ऐसे राष्ट्र की सशक्त याद दिलाता है जो एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक महत्वाकांक्षी खेल भविष्य की ओर मिलकर साइकिल चला रहा है।

पीएम मोदी की ईवी खरीदने की अपील के बीच कहीं पेट्रोल-सीएनजी कारों की बिक्री ना घट जाए, ग्राहक बड़े संवेदनशील हैं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद देश में ईवी को लेकर सकारात्मक माहौल बन रहा है और लोग सोचने पर जरूर मजबूर हो गए हैं कि अगर आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की किल्लत हो गई तो फिर क्या होगा? ऐसे में इलेक्ट्रिक गाड़ियां जरूरी और मजबूरी दोनों हो जाएगी। ऐसे हालात में बहस शुरू हो गई है कि क्या पीएम की ईवी अडॉप्शन की अपील के बाद पेट्रोल-डीजल कारों की बिक्री घट जाएगी, आइए विस्तार से जानते हैं।

(जीएनएस)।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स फ्यूचर मोबिलिटी हैं, ये बात तो हर कोई जानना-बुझता और समझता है, लेकिन क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईवी अपनाने की अपील के बाद कठए, यानी पेट्रोल-डीजल और सीएनजी कारों की बिक्री प्रभावित होगी, यह सवाल इन दिनों काफी लाजिम हो गया है। दरअसल, ईरान की इस्राइल और अमेरिका से युद्ध के बाद दुनियाभर में तेल संकट की स्थिति और गहरा गई है। भारत में विदेशी मुद्रा भंडार ऐसी स्थिति में काफी ज्यादा प्रभावित हुआ है और इस सबसे ज्यादा आबादी वाले देश की तेल आयात पर निर्भरता का आने वाले समय में गंभीर परिणाम देखने के मिल सकता है।

क्या से क्या गया, देखते-देखते...

मौजूदा संकट की स्थिति के दुष्परिणाम भी बीते 10 दिनों के दौरान

दिख गए हैं, जब 3 बार पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दाम बढ़े हैं। अब लोगों को पेट्रोल और डीजल 5 रुपये और सीएनजी 4 रुपये महंगे मिल रहे हैं। ये सारे हालात नए कार बायर्स को सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि इन्हें पेट्रोल-डीजल और सीएनजी पावर्ड कार खरीदनी चाहिए या इलेक्ट्रिक कार? लेकिन परेशानी यह भी है कि ईवी को लेकर लोगों में इतनी ज्यादा अनिश्चितता की स्थिति है कि वो इससे उबर ही नहीं पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में पीएम मोदी की ईवी अपनाने की अपील का कुछ खास असर शायद दी दिखे और पेट्रोल-सीएनजी और डीजल, हाइब्रिड कारों की बिक्री की रफ्तार पर कुछ खास असर नहीं पड़ेगा।

बढ़ते तेल के दाम ने उड़ाई नींद

एक बात तो सत्य है कि मौजूदा कार बायर्स कुछ ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं और हालिया दिनों में फ्यूल प्राइस में बढ़ोतरी के बाद उनके फैसले प्रभावित हुए हैं। दरअसल, बाजार फिलहाल मल्टी-फ्यूल ट्रांजिशन के दौर में है। पीएम मोदी की अपील और ईंधन की बढ़ती कीमतों ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की क्वेरीज और बुकिंग में उछाल तो ला दिया है, लेकिन क्या ये सारे नंबर आखिरकार आने वाले समय में सड़कों पर दिखेंगे, ये बड़ा सवाल है।

सेकेंड कार ईवी बनने वाली है...

खास तौर पर उन परिवारों में, जिनके पास पहले से एक पेट्रोल-डीजल या सीएनजी या हाइब्रिड कार है, वे अब सेकेंड कार के तौर पर ईवी को प्राथमिकता दे रहे हैं। हालांकि, सीएनजी और हाइब्रिड ज्यादातर ग्राहकों के लिए पेट्रोल-डीजल के अल्टरनेटिव व्हीकल के रूप में है। हालिया आंकड़ों की मानें तो पैसेंजर व्हीकल मार्केट में सीएनजी की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 24 फीसदी तक पहुंच गई है। हालांकि, पेट्रोल कारें अभी भी सबसे ज्यादा बिकती हैं।

ग्राहकों के लिए विकल्प क्या?

अब बात आती है कि आखिरकार ग्राहक करे तो क्या करे? ईवी के लिए माहौल बनाने से पहले ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और किफायती विकल्पों पर जोर देना ज्यादा जरूरी है। भारतीय ग्राहक हमेशा से वैल्यू फॉर मनी चीज खरीदना पसंद करते हैं। हालांकि, तेल की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी ने ग्राहकों के व्यवहार में बदलाव किए हैं। अब सामान्य ग्राहक केवल कार की खरीद कीमत नहीं, बल्कि उसकी रनिंग कॉस्ट को भी गहराई से देख रहे हैं। ऐसे में ईवी की कम रनिंग कॉस्ट उनके फैसले को प्रभावित करने में लगे हैं। जैसे-जैसे चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ रहा है और बैटरी की कीमतें कम हो रही हैं, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की तरफ लोगों का झुकाव बढ़ेगा।

लखनऊ में बसपा की बैठक, मायावती ने यूपी चुनाव को लेकर दिया मूलमंत्र, कहा-वोट की सुरक्षा इज्जत-आबरू, मजहब की तरह करें

जनाधार को बढ़ाने के सम्बंध में विस्तृत समीक्षा, कहा-सत्ता में वापस आना है

(जीएनएस)।

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को स्टेट यूनिट की बड़ी बैठक की. इसमें पार्टी संगठन की पोलिंग बूथ स्तर तक की जमीनी मजबूती, विधानसभा आमचुनाव की तैयारियों और पार्टी को आर्थिक सहयोग के साथ जनाधार को बढ़ाने के सम्बंध में विस्तृत समीक्षा की. प्रगति रिपोर्ट पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि देश में

चुनाव जिस प्रकार की नई-नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं, उसको देखते हुए पार्टी की तैयारियों को हर स्तर पर और भी अधिक चुस्त-दुरुस्त तथा मुस्तैद बनाने की जरूरत है. पार्टी के पक्ष में बढ़ते हुए जन रुझान से यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनेगी.

बैठक में पोलिंग बूथ स्तर के प्रमुख प्रभारियों सहित विधानसभा, जिला और स्टेट कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे. सभी ने अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट दी, जिसे संतोषजनक पाने के बावजूद मायावती ने यूपी विधानसभा आमचुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही न बरतने की हिदायत दी. कहा कि धुरंधर व जुगाड़ू विरोधियों की हर चाल का मुकाबला 2007 की तरह ही पूरी तरह से डट कर करना है. पार्टी प्रत्याशियों के चयन के बारे में बरती जा रही सावधानी जरूरी है. कुल मिलाकर, 'हाथी पर बटन दबाना है, सत्ता में वापस आना है' का मिशन यानि 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की सरकार एक बार फिर लाने के लिए पूरे जी-जान से वोट की सुरक्षा अपनी इज्जत-आबरू, जान-माल व मजहब की तरह से करनी है.

कहा कि हाल ही में सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा आमचुनाव में जो कुछ हुआ व जिस प्रकार से हुआ, उसका समुचित संज्ञान लेने की जरूरत है. बसपा सुप्रीमो ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व पंजाब में अगले वर्ष के शुरू में ही या इससे थोड़ा पहले लगभग एक साथ होने वाले विधानसभा आमचुनाव में इससे सबक सीखकर आगे बढ़ना होगा. खासकर सत्ताधारी पार्टी व सरकारें वादों की खानापूर्ति करने और अनेकों प्रकार की अप्रत्याशित व अभूतपूर्व तरीके से चुनाव को प्रभावित करने में सफल हो जाती हैं. उसके बाद जनहितैषी गवरनेन्स के बजाय ज्यादातर ध्यान भटकाने वाले कार्यकलापों के कारण फिर जनता अपने आपको काफी ठगा हुआ महसूस करने लगती है. उसका क्या लाभ जब चिड़िया चुग गई खेत?

उन्होंने कहा कि बीएसपी की कैडर बैठकों में लोगों को इस कटु अनुभवों से अवगत करना जरूरी है कि सरकारें व पार्टियां चुनाव के समय जनहितैषी व जनकल्याणकारी होने का ढिंढोरा पीटती हैं और उसमें धन लुटाती हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद वे अपने वादों, घोषणाओं व दावों के प्रति उतना ही उदासीन हो जाती हैं. यही कारण है कि इन पार्टियों की छलावापूर्ण व विभाजनकारी राजनीति से देश व जनहित का सही से भला नहीं हो रहा है, उनका जीवन लगातार लाचार व मजबूर बना हुआ है. ऐसी छलावा/वादाखिलाफी के विरुद्ध जनता को जागरुक होना होगा, जो उनके वोट के अधिकार का संदेश और सीख भी है. उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियों की ऐसी छलावापूर्ण राजनीति का दुष्परिणाम यह भी है कि चुनाव के समय उन्हें हर प्रकार से लुभाया जाता है लेकिन चनाव के बाद महंगाई, बेरोजगार व नये-नये नियम-कानून के जरिये हर प्रकार के तनाव सहित उनके जीवन के जंजाल को और भी बढ़ा दिया जाता है.

केशव प्रसाद मौर्य ने 32 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण, मिलेंगी स्थानीय नागरिकों को सुविधाएं

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को मोहनलालगंज के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए केन्द्रीय वित्त आयोग एवं पंचम वित्त आयोग द्वारा निर्मित 32 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 3 करोड़ रुपये है। इन विकास कार्यों में सी.सी. रोड निर्माण, खड़ंजा निर्माण व मरम्मत, इंटरलॉकिंग, नाला-नाली निर्माण, आर.ओ. वाटर प्लांट स्थापना, तालाब निर्माण और पंचायत भवनों के साथ-साथ विकासखण्ड परिसर के भवनों की मरम्मत व पुताई का काम शामिल है।

यह परियोजनाएं मुख्य रूप से ग्राम पंचायत सिसेंडी, दयालपुर, हसनपुर, रायभान खेड़ा, परसपुरठ्ठा, गौतम खेड़ा, नन्दौली, सलेमपुर अचाका, रघुनाथ खेड़ा, धतौनी, डलौना, उतरावां और कुशमौरा में

क्रियान्वित की गई हैं। इन कार्यों के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था मजबूत होगी, जिससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकेंगी।

डबल इंजन सरकार का मिलेगा लाभ

लोकार्पण के अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार गांवों को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क, पेयजल और बुनियादी ढांचे के विकास से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और सुशासन के संकल्प को धरातल पर उतारना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जलदूत ऐप' से होगा प्री-मानसून भूजल स्तर का सर्वेक्षण

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता की स्थिति जांचने, जलस्तर में गिरावट को रोकने और संभावित जल संकट की पहचान के लिए उच्च अधिकारियों को सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत प्रदेश की ग्राम पंचायतों में प्री-मानसून 2026 के अंतर्गत भूजल स्तर का आकलन "जलदूत ऐप" के माध्यम से किया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, यह विशेष अभियान 25 मई से 15 जून 2026 तक संचालित होगा।

इस अभियान के लिए सभी जिलों के उपायुक्तों (श्रम रोजगार) को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में चयनित कुओं का भूजल स्तर वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप मापा जाए और आंकड़े जलदूत ऐप पर अपलोड किए जाएं। मापन के दौरान मेजरिंग टेप का उपयोग और फोटो प्रलेखन अनिवार्य होगा, साथ ही एक ग्राम पंचायत के सभी कुओं का डेटा एक ही दिन में संकलित किया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग के आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि ऐप के माध्यम से एकत्र आंकड़े भविष्य में जल संरक्षण संरचनाओं की योजना बनाने, वर्षा जल संचयन और संकटग्रस्त क्षेत्रों की पहचान करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

'मैं अखिलेश यादव को सपोर्ट नहीं करता हूं', लालू के बेटे तेज प्रताप निकले योगी आदित्यनाथ के फैन

(जीएनएस)।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। तेज प्रताप ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का समर्थन करने से साफ इनकार कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सरकार वापस होगी।

'मैं अखिलेश यादव को तो सपोर्ट नहीं करता हूं।'

पटना/विंध्याचलः 'मैं अखिलेश यादव को तो सपोर्ट नहीं करता हूं। इस बार पूरा चांस है कि योगी जी फिर से दोबारा (तीसरी बार) सरकार यहां (उत्तर प्रदेश) बनाने का काम करेंगे।' दरअसल, बिहार की सियासत के सबसे चर्चित चेहरों में से एक तेज प्रताप यादव इन दिनों उत्तर प्रदेश के धार्मिक दौरों पर हैं। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ और मिजार्पुर में मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक ऐसा बयान दिया जिससे यूपी से लेकर बिहार तक की राजनीति गरमा गई।

उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर तेज प्रताप यादव ने अपने सगे रिश्तेदार अखिलेश यादव को सीधे

तौर पर नकार दिया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की वापसी की भविष्यवाणी कर सबको चौंका दिया।

विंध्याचल में तेज प्रताप यादव ने कहा, 'देखिए, मैं अखिलेश यादव को तो सपोर्ट नहीं करता हूं। जहां तक बात है कि आप लोगों ने बिहार का चुनाव देखा ही होगा, किस तरीके से हमारी पार्टी ने परफॉर्म किया। हार जीत तो लगी रहती है राजनीति में। या तो हार होती है या फिर जीत। तो इस बार पूरा चांस है कि योगी जी फिर से दोबारा (तीसरी बार) सरकार यहां (उत्तर प्रदेश) बनाने का काम करेंगे।'

दरअसल, तेज प्रताप आजकल उत्तर प्रदेश के तीर्थाटन पर हैं। पहले वो वाराणसी जाकर बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किए। फिर वो विंध्यावासिनी मां का दर्शन-पूजन के लिए विंध्याचल पहुंचे। वहां तेज प्रताप पत्रकारों से टकरा गए। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं तो पत्रकारों ने योगी आदित्यनाथ सरकार के परफॉर्मेंस और चुनावी रिजल्ट पर सवाल कर दिया। इसके बाद सीधे-सीधे तेज प्रताप ने अखिलेश यादव को नकार दिया। वैसे, तेज प्रताप के अखिलेश यादव से निजी रिश्ते काफी अच्छे हैं। दोनों रिश्तेदार भी लगते हैं। मगर, तेज प्रताप के दिल पर फिलहाल सीएम योगी आदित्यनाथ राज कर रहे हैं। मैं अखिलेश यादव को तो सपोर्ट नहीं करता हूं। इस बार पूरा चांस है कि योगी जी फिर से दोबारा (तीसरी बार) सरकार यहां (उत्तर प्रदेश) बनाने का काम करेंगे। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के बाद तेज प्रताप ने सोशल मीडिया एक्स पर इसका फोटो भी शेयर किया। उन्होंने लिखा, भगवान महादेव की पावन नगरी काशी विश्वनाथ मंदिर में जाकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं, तेज प्रताप यादव अपने माता-पिता के सुख और उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की, अपने भाई-बहनों के लिए मंगलकामना की और पूरे समाज के लोगों के सुख-शांति के लिए बाबा से आशीर्वाद मांगा।'

'ये कोई मजाक नहीं', प्रशांत किशोर ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' पर सरकार को क्यों चेताया? सीजेआई को भी दे डाली सलाह!

(जीएनएस)।

देश में सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब केवल एक ऑनलाइन ट्रेंड नहीं रह गई है, बल्कि इसे लेकर राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। लाखों-करोड़ों युवा इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं और अब इस मुद्दे पर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भी खुलकर अपनी राय रखी है।

पीके ने कहा कि सरकार और व्यवस्था चला रहे लोगों को इस डिजिटल कैंपेन को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि यह युवाओं के भीतर बढ़ते गुस्से और निराशा का संकेत है। प्रशांत किशोर ने कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं ने युवाओं के भीतर असंतोष पैदा किया है, जो अब सोशल

मीडिया के जरिए सामने आ रहा है। इस दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कथित टिप्पणी को लेकर भी सवाल उठाए।

दरअसल, 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम की शुरूआत उस समय चर्चा में आई जब सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कथित टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। आरोप लगा कि उन्होंने वकीलों और युवाओं के संदर्भ में 'कॉकरोच' और 'परजीवी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि कई बार अदालतों में ऑफ द रिकॉर्ड बातें हो जाती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बैठे लोगों को शब्दों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए।

'भारत का समर्थन बेहद अहम', माइनिंग ब्लास्ट में कई लोगों की मौत पर पीएम मोदी ने जताई थी संवेदना; चीन ने दिया धन्यवाद

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। चीन ने अपने शांक्सी प्रांत में हुए भीषण कोयला खदान हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त की गई संवेदनाओं के लिए भारत का आभार व्यक्त किया है। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम कई लोगों की जान जा चुकी है और दो लोग अभी भी लापता हैं।

भारत में चीन के राजदूत जू फेईहोंग ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत की सहानुभूति और समर्थन को बेहद मूल्यवान माना जाता है।

भारत का समर्थन हमारे लिए महत्वपूर्ण

चीनी राजदूत जू फेईहोंग ने पीएम मोदी के संदेश के लिए उनका धन्यवाद करते हुए एक्स पर लिखा कि शांक्सी प्रांत में खदान दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवेदना संदेश के लिए हम उनकी सराहना करते हैं।

इस कठिन समय में भारत के लोगों की सहानुभूति और समर्थन को बेहद मूल्यवान माना जाता है। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों, लापता लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम बचाव और राहत कार्यों में हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संवेदना संदेश

इससे पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को इस हादसे पर अपना शोक संदेश भेजा था। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि चीन के शांक्सी प्रांत में एक खदान दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं।

भारत के लोगों की ओर से, राष्ट्रपति शी चिनफिंग और चीन के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुखद घड़ी में शक्ति प्रदान करे। मैं शेष सभी लापता व्यक्तियों के शीघ्र और सुरक्षित बाहर आने की प्रार्थना करता हूं।

शुक्रवार शाम को हुआ था भयानक विस्फोट

चीनी अधिकारियों के अनुसार, यह गैस विस्फोट शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार शाम 7:29 बजे किनयुआन काउंटी की लियुशेनयु कोयला खदान में हुआ था। शनिवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि हादसे में कई लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य लापता हैं।

इस घटना में घायल कुल 128 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जिनमें से दो की हालत बेहद नाजुक और दो की गंभीर बनी हुई है।

कंपनी की लापरवाही आई सामने

घटना की जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि खदान के भीतर जहरीली और हानिकारक गैसें लंबे समय तक सुरक्षित सीमा से अधिक बनी हुई थीं, जिससे दोबारा आपदा होने की आशंका बढ़ गई थी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि खदान का संचालन करने वाली कंपनी द्वारा कानूनों का गंभीर उल्लंघन किए जाने की बात सामने आई है।

सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, किनयुआन का प्रशासन संभालने वाले चांगझी शहर के मेयर चेन शियांगयांग ने बताया कि कंपनी के जिम्मेदार लोगों को नियंत्रण में ले लिया गया है। इसके साथ ही, व्यापक सुरक्षा जांच पूरी होने तक कंपनी की कोयला खदानों में उत्पादन पूरी तरह से रोक दिया गया है।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दिए सख्त जांच के आदेश

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने लापता लोगों को बचाने और घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित करने के लिए चौतरफा प्रयास करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने विस्फोट के कारणों की गहन जांच करने और कानून के अनुसार जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं।

जांच टीम ने कहा है कि वे दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाएंगे, स्थानीय अधिकारियों, उद्योग रेगुलेटर्स और संबंधित कंपनी की जिम्मेदारियों की जांच करेंगे और प्रासंगिक कानूनों के तहत सख्त सजा सुनिश्चित करेंगे।

कुरुक्षेत्र के महाभारत अनुभव केंद्र में लगी आग, 200 बैट्रियां जलकर राख; 2 साल पहले पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन

(जीएनएस)।

कुरुक्षेत्र। ज्योतिसर स्थित महाभारत अनुभव केंद्र में रविवार दोपहर बाद भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग केंद्र के बी-ब्लाक के बेसमेंट में लगी, जहां सोलर ऊर्जा पैनलों से जुड़ी करीब 200 बैटरियां रखी हुई थीं। बैटरियों में आग भड़कने के बाद देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास रखा सामान भी इसकी चपेट में आ गया।

हालांकि, केंद्र में दिखाए जाने वाले प्रदर्शनों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचने की जानकारी है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

बेसमेंट में अधिक धुंआ होने के कारण अभी पूरी तरह से नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि यह बैटरियां बैकअप के लिए रखी गई थी, अभी भी केंद्र में शो प्रभावित नहीं हुए हैं। वह आज और

कल भी चलाए जाएंगे।

धमाके की आवाज से डरे लोग

गनीमत यह रही कि जिस समय आग लगी, उस दौरान केंद्र के अंदर ज्यादा भीड़भाड़ नहीं थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सबसे पहले बेसमेंट से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

आग इतनी भीषण थी कि बेसमेंट में रखी 200 से अधिक बैटरियां जलकर राख हो गईं। इसके अलावा वहां लगे तीन एयर कंडीशनर भी इस आग से प्रभावित हुए हैं। बैटरियों में आग लगने के कारण लगातार धमाके जैसी आवाजें आती रहीं, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। दमकल कर्मियों को भी आग बुझाने के दौरान काफी सावधानी बरतनी पड़ी।

फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। शुरूआती तौर पर शार्ट सर्किट या बैटरियों में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। प्रशासन का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

दो वर्ष पहले किया था पीएम मोदी ने उद्घाटन

महाभारत अनुभव केंद्र करीब 220 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इस परियोजना का उद्घाटन 16 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेवाड़ी से आनलाइन किया था। वहीं 25 नवंबर 2025 को ज्योतिसर में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने अनुभव केंद्र का अवलोकन किया था।

योगी सरकार का 'गो-इकोनॉमी' मॉडल हुआ ग्लोबल, 10 देशों में गूंजी 'मेड इन यूपी' गो-उत्पादों की गूंज; सालाना 10 करोड़ का टर्नओवर

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'गो संरक्षण से समृद्धि' मॉडल अब उत्तर प्रदेश की जमीन से उठकर वैश्विक मंच पर अपनी सफलता का परचम लहरा रहा है। राज्य में देशी गायों के संरक्षण को सिर्फ आस्था तक सीमित न रखकर एक मजबूत आर्थिक मॉडल में बदल दिया गया है। इसका नतीजा यह है कि आज उत्तर प्रदेश में देशी गायों के सहारे न सिर्फ 10 करोड़ रुपये का सालाना कारोबार खड़ा हुआ है, बल्कि अमेरिका, यूके और ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया के 10 से अधिक देशों में 'मेड इन यूपी' गो उत्पादों की भारी मांग पैदा हो गई है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बदली गो-संरक्षण की परिभाषा

इस क्रांतिकारी बदलाव की शुरूआत गाजियाबाद के सिकंदरपुर से हुई, जहां अमेरिका की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनियों में 14 साल तक इंजीनियर रहे असीम रावत ने सीएम योगी की प्रेरणा से गो-संरक्षण की राह चुनी। उन्होंने 'हेता' (लएळलअ) ब्रांड के तहत 1000 से ज्यादा देशी गायों पर आधारित एक एथिकल डेयरी सिस्टम स्थापित किया है। आज 100 लोगों की उनकी विशेष टीम इस मिशन को एक ग्लोबल ब्रांड बना चुकी है, जिसके अंतर्गत संरक्षित साहीवाल गाय की महत्ता को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गोपूजन कर सराह चुके हैं।

'हेता' का यह मॉडल स्वदेशी नस्लों के समग्र और वैज्ञानिक उपयोग पर आधारित है। यहाँ केवल दूध ही नहीं, बल्कि पंचगव्य, आयुर्वेदिक औषधियां, ऑर्गेनिक फूड और स्किन व हेयर केयर जैसे लगभग 150 प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यहाँ के अ2 दूध, बिलौना घी, ब्राह्मी घृत और गोमूत्र अर्क की शुद्धता धूम मचा रही है। सबसे खास बात यह है कि इस मॉडल में वृद्ध या दूध न देने वाले गोवंश को बोझ नहीं, बल्कि जिम्मेदारी मानकर सिस्टम का अभिन्न हिस्सा बनाया जाता है।

दुनिया के कोने-कोने में पहुंचा 'मेड इन यूपी'

उत्तर प्रदेश की इस अनूठी 'गो-इकोनॉमी' का विस्तार अब भारत से बाहर निकलकर अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूरोप, सिंगापुर और दुबई जैसे मध्य-पूर्व व एशियाई देशों तक हो चुका है। इन वैश्विक बाजारों में यूपी के गो-उत्पादों की बढ़ती पहुंच ने राज्य की एक नई और प्रगतिशील पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया है।

डेयरी मास्टर प्लान के तहत मिल रही 50 प्रतिशत सब्सिडी

पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार, इस मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए योगी सरकार नीतिगत स्तर पर भारी वित्तीय सहायता दे रही है। सरकार की 'ऑपरेशन-4' योजना के तहत स्वदेशी गायों के पालन पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान है। डेयरी मास्टर प्लान के तहत 2 से 25 गायों तक के स्टार्टअप के लिए 15% स्वयं का निवेश, 35% बैंक लोन और 50% सरकारी अनुदान (सब्सिडी) का एक पारदर्शी फॉर्मूला लागू किया गया है।

साहीवाल, गिर, गंगातीरी और सिंधी जैसी उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी नस्लों पर केंद्रित योगी सरकार की यह नीतियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नया उछाल ला रही हैं। यह 'गो-इकोनॉमी' मॉडल अब उत्तर प्रदेश को वैश्विक डेयरी शक्ति बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो रहा है।

पुतिन की सबसे खतरनाक मिसाइल ने कीव में मचाई तबाही, जेलेंस्की की बढ़ी टेंशन

(जीएनएस)।

रूस ने एक बार फिर व'१ंल्ली की राजधानी ड८५ पर बड़ा हमला किया है। यूक्रेन का दावा है कि रूस ने एक साथ 90 मिसाइलें और करीब 600 ड्रोन दागे। इस हमले में ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का भी इस्तेमाल हुआ, जिसे रूस की सबसे खतरनाक मिसाइलों में गिना जाता है।

हमले में कम से कम 4 लोगों की मौत हुई जबकि 80 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। कई इमारतों, घरों और दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। पूरी रात धमाकों से दहला कीव अब फिर से युद्ध के डर और तबाही के बीच खड़ा नजर आ रहा है।

कीव में रातभर गूंजते रहे धमाके

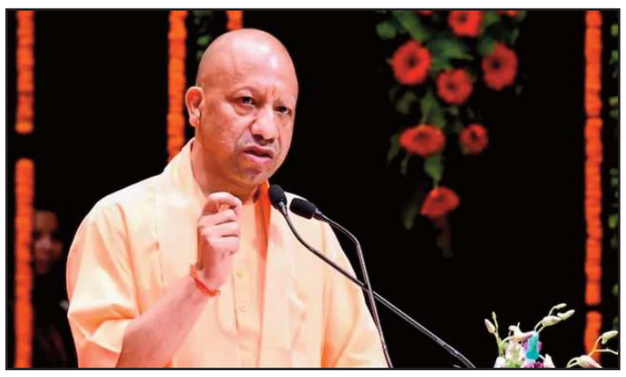

यूक्रेन के अधिकारियों के मुताबिक रूस ने देर रात कई इलाकों को निशाना बनाया। राजधानी कीव के अलावा बिला त्सेरकवा शहर पर भी हमले हुए। शहर में लगातार सायरन बजते रहे और लोग डरकर मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। कीव के मेयर श्३्' ड'३रूँ ङ्ग ने कहा कि यह शहर के लिए बेहद डरावनी रात थी। सुबह होने तक कई इलाकों में धुआं दिखाई

देता रहा। बचाव दल पूरी रात आग बुझाने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में लगा रहा।

ओरेशनिक मिसाइल ने बढ़ाई चिंता

इस हमले में रूस ने ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसकी रफ्तार आवाज की गति से करीब 10 गुना ज्यादा बताई जाती है। Vladimir Putin पहले भी दावा कर चुके हैं कि इस मिसाइल को रोकना बेहद मुश्किल है। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद यह तीसरी बार है जब रूस ने इस मिसाइल का इस्तेमाल किया है। ओरेशनिक परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है, इसलिए इसके इस्तेमाल ने दुनिया भर में चिंता और बढ़ा दी है।

जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मांगी मदद

Volodymyr Zelenskyy ने आरोप लगाया कि रूस ने पानी सप्लाई से जुड़ी जगहों को भी निशाना बनाया है ताकि गर्मियों से पहले लोगों की मुश्किलें बढ़ाई जा सकें। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय देशों से रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन लगातार बड़े हमलों का सामना कर रहा है और उसे और मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम की जरूरत है। उनके मुताबिक रूस आम नागरिकों को डराने की कोशिश कर रहा है।

रूस ने क्या कहा?

रूस का कहना है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से रूस के अंदर किए गए हमलों के जवाब में किया गया। मॉस्को का दावा है कि उसने यूक्रेन के सैन्य ठिकानों, एयरबेस और सेना से जुड़े केंद्रों को निशाना बनाया। रूस ने यह भी कहा कि हमले में ओरेशनिक के अलावा इस्कंदर, किंझाल और जिरकॉन जैसी मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। दूसरी तरफ यूक्रेन का कहना है कि रूस लगातार रिहायशी इलाकों को निशाना बना रहा है, जिससे आम लोगों की जान जा रही है और शहरों में भारी तबाही हो रही है।

'अगर महाराष्ट्र में गाय काटी तो', बकरीद से पहले फडणवीस सरकार के मंत्री ने दी सख्त चेतावनी, किए गए ये इंतजाम

(जीएनएस)।

बकरीद के त्योहार से पहले देश में गोवंश सुरक्षा और धार्मिक परंपराओं को लेकर राजनीतिक माहौल फिर गर्म हो गया है। महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले के बयान के बाद यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में आ गया है। उन्होंने साफ कहा है कि राज्य में गाय की हत्या या अवैध तस्करी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर सख्त कानून टउडउअ तक लगाया जा सकता है।

गोवंश संरक्षण को लेकर सख्त रुख

बावनकुले ने कहा कि महाराष्ट्र में गोवंश संरक्षण कानून पहले से लागू है और इसके उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि गाय की तस्करी करने वालों को संगठित अपराध की श्रेणी में माना जा

सकता है, जिसके तहत कठोर प्रावधानों का इस्तेमाल संभव है। उनके मुताबिक, सरकार का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है।

सरकार ने दी सख्त चेतावनी

मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि बकरीद के मौके पर बकरों की कुबार्नी दी जाती है, गायों की नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक गतिविधि के नाम पर कानून तोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि खुले में या सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह की कुबार्नी देना नियमों का उल्लंघन होगा और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था कड़ी

राज्य सरकार ने गोवंश तस्करी और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निगरानी टीमें सक्रिय कर दी हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रमुख इलाकों में चेकिंग बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध वाहनों पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा, पशु बाजारों और सीमावर्ती क्षेत्रों में भी निगरानी

उत्तर रेलवे अस्पताल लखनऊ में पहली बार हुआ घुटना प्रत्यारोपण, मरीज को मिली नई जिंदगी

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल चिकित्सालय में डॉक्टरों की टीम ने एक मरीज के घुटनों का सफल ऑपरेशन कर नई जिंदगी दी है.

रेलवे के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी मरीज का घुटना प्रत्यारोपण (डल्ल्ीी फीस्र्'ील्ल३) का सफल ऑपरेशन मंडल चिकित्सालय में रेलवे डॉक्टरों ने किया है.

इस उपलब्धि का पूरा श्रेय वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी और ऑर्थो सर्जन डॉ. अशोक कुमार यादव, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार यादव और उनकी पूरी टीम को जाता है.

इस ऐतिहासिक सफलता पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (CMS) डॉ. संगीता सागर ने भी डॉक्टरों और पूरी ओटी टीम को बधाई दी.

उन्होंने इस गौरवान्वित मौके पर कहा कि मंडल चिकित्सालय रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और आगे भी करता रहेगा.

यह भी बताया कि इस कामयाबी को संभव बनाने में मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा का मार्गदर्शन और सहयोग बेहद महत्वपूर्ण रहा.

उत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि रेलवे प्रशासन का पूरा प्रयास रहता है कि रेलवे चिकित्सालय में आने वाले मरीज को हर तरह की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके. जिस भी बीमारी से वे ग्रसित हों, उन्हें उस बीमारी का इलाज रेलवे अस्पताल में मिल सके जिससे उन्हें इधर-उधर किसी अस्पताल में जाने की आवश्यकता न पड़े.

उत्तर रेलवे के सीनियर डीसीएम समर्थ गुप्ता ने रेलवे अस्पताल के चिकित्सकों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि उत्तर रेलवे अस्पताल ने उपलब्धि

पीएम मोदी के सपेरे वाले कार्टून पर भड़के नॉर्वे के सांसद, पश्चिमी मीडिया की लगा दी क्लास

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नॉर्वे दौरा इस बार कूटनीतिक उपलब्धियों से ज्यादा विवादों को लेकर चर्चा में आ गया। पहले एक महिला पत्रकार के सवाल को लेकर बहस छिड़ी और फिर नॉर्वे के बड़े अखबार आ३ील्लस्रङ्ग२३ील्ल में छपे एक कार्टून ने नया विवाद खड़ा कर दिया। कार्टून में पीएम मोदी को पुराने दौर के "सपेरे" की तरह दिखाया गया, जिस पर दुनियाभर के भारतीयों ने नाराजगी जताई।

लोगों ने इसे नस्लीय और औपनिवेशिक सोच वाला बताया। इस पूरे मामले पर अब नॉर्वे के भारतीय मूल के सांसद Himanshu Gulati का बयान भी सामने आया है।

कार्टून पर क्यों मचा विवाद?

नॉर्वे के अखबार में छपे कार्टून में पीएम मोदी को एक सपेरे की तरह दिखाया गया था। सोशल मीडिया पर इसे लेकर तुरंत बहस शुरू हो गई। कई भारतीयों ने कहा कि यह भारत की पुरानी और गलत छवि को दिखाता है, जिसे औपनिवेशिक दौर में फैलाया गया था। लोगों का कहना था कि आज का भारत टेक्नोलॉजी, स्पेस और ग्लोबल पॉलिटिक्स में बड़ी ताकत बन चुका है, ऐसे में इस तरह की तस्वीरें

पुराने सोच को बढ़ावा देती हैं। विवाद बढ़ने के बाद मामला अंतरराष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बन गया।

सांसद हिमांशु गुलाटी ने क्या कहा?

भारतीय मूल के सांसद हिमांशु गुलाटी ने कहा कि नॉर्वे में अखबार अक्सर नेताओं के कार्टून छापते हैं और उन्हें व्यंग्य के तौर पर देखा जाता है। हालांकि उन्होंने माना कि मोदी वाला कार्टून लोगों को औपनिवेशिक दौर की रूढ़ियों की याद दिलाता है। गुलाटी ने कहा कि शायद अखबार या कार्टूनिस्ट का इरादा नस्लवादी दिखाने का नहीं था, लेकिन यह जरूर दिखाता है कि कुछ लोगों में भारत को लेकर समझ की कमी अब भी मौजूद है। उनके बयान के बाद बहस और तेज हो गई।

"उपलब्धियों पर ज्यादा बात होनी चाहिए"

गुलाटी ने कहा कि एक कार्टून की वजह से भारत और नॉर्वे के रिश्तों की बड़ी तस्वीर को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उनके मुताबिक पीएम मोदी को नॉर्वे में काफी गर्मजोशी और सम्मान मिला। उन्होंने याद दिलाया कि मोदी को "रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट" का ग्रैंड क्रॉस सम्मान भी दिया गया। गुलाटी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, टेक्नोलॉजी और ग्रीन एनर्जी को लेकर अहम समझौते हुए हैं और चर्चा उन उपलब्धियों पर ज्यादा होनी चाहिए, ना कि सिर्फ विवाद पर।